# वैकल्पिक व्यवस्था (शोध)

## स्थायी फिल्टर

मेघ पाईन अभियान कोशी सेवा सदन महिषी ने वर्ष 2007 में वर्षा जल संग्रहण के लिए सुपौल से घड़ा मंगवाया  घड़ा मिट्टी की बनी थी एवं उसके टूटने की आशंका बनी रहती थी फूट भी जाती थी। साथ ही उसकी पानी धारण क्षमता कम था।

इसलिए मेघ पाईन अभियान के राष्ट्रीय समन्वयक श्री एकलव्य प्रसाद ने पांचो जिलों के कार्यकर्ता को एक सबक दिये कि अधिक मात्रा में वर्षाजल संग्रहण कर रखने की तकनीक की जानकारी गांव बाले से प्राप्त कर प्रायोगिक कार्य करना है ताकि हम अधिक से अधिक मात्रा में वर्षा जल संग्रहण करके रख सकें। तथा अत्यधिक दिनों तक वर्षा जल काम में ला सके।

वैसे लोगो को शुरू–शुरू में विश्वास नहीं होता था कि वर्षा जल पीया जाता है। ज्योहि कार्यकर्ता वर्षा जल पीने के बारे में लोगों को बताते तो लोग कहते कि वर्षा जल पीने से घेघा रोग होता है इसके प्रति लोगों को विश्वास दिलाने के लिए कार्यकर्त्ता स्वयं वर्षा जल पीकर लोगों को दिखाया तब धीरे–धीरे इस जल के प्रति लोगों की साकारात्मक सोच जगी। जब लोग पीना आरंभ किये फायदा हुआ तो लोगों ने सवाल किया कि ऐसी तकनीकि बतावें कि हम अधिक दिनों तक इस पानी को भंडार करके रख सकूं।

मेघ पाईन अभियान कोशी सेवा सदन ने जलकोठी निर्माण कर उसमें 2–1, 3–1 सिमेंट के लेप के मिश्रण में वाटर प्रुफ देकर जल कोठी का निर्माण किया गया जो बिल्कुल ही सफल रहा। तथा नीचे में पानी प्राप्त करने के लिय नलका लगाया गया। जिसका पानी धारण क्षमता आवश्यकतानुसार बनाया जा सकता है।

मटका फिल्टर की बढ़ती मांग और इसके भंगूर (फूटने) की प्रवृत्ति से मेघ पाईन अभियान कर्मी चिन्तित थे। इसके विकल्प की खोज में लगे हुए थे। जल कोठि निर्माण के क्रम में ही कार्यकर्ता ने बांस के ढ़ांचा का स्थायी फिल्टर बनाने को सोच लिया। ऐसा ही हुआ बांस का छोटा ढ़ांचा बनवया गया, और राजमिस्त्री को निर्धारित जगह पर प्लेट रखने के लिए जीभ्या बनाने के लिए कहा उन्होंने ऐसा ही किया। उसके बाद अर्द्धचन्द्राकार प्लेट नाप के हिसाब से बनाया गया। फिल्टर बनकर तैयार हो गया। 8 दिनों तक नियमित उसमें पानी दी गई।

फिर उसका सेटिंग कर जाल, ईट की गिट्टी, लकड़ी का कोयला तथा बालू को अच्छी तरह धोकर डाला। तत्पश्चात उसमें चापाकाल का पानी दिया गया। स्थायी फिल्टर से प्राप्त पानी के आईरन की जांच हुई। आइरन की मात्रा आवश्यकतानुसार पाया गया।

इस फिल्टर से हम आइरन के साथ–साथ किटाणु मुक्त पानी भी प्राप्त कर सकते है। वसर्ते कि इसमें दो जगह प्लेट रखने का जीभिया बनाया जाय। जो मेघ पाईन अभियान कोशी सेवा सदन महिषी ने बनाया भी है। इस प्रयोग का उपयोग कार्यक्षेत्र में भी लोग किये है। कार्यकर्ता वहाँ सिर्फ सोच देते है। स्थायी फिल्टर, मटका फिल्टर से महंगा स्थायी एवं अत्यधिक क्षमता वाला होता है। इसके उपयोग से आइरन एवं कीटाणु मुक्त पानी प्राप्त होता है। इसका पानी मटका फिल्टर के पानी के समान ठंढ़ा होता है। वर्तमान में महिषी दक्षिणी में 4 ढाँचा बना है। पस्तवार पं0 में 4 तथा तेलहर पंचायत में चार, महिषी उ0 में 1 स्थायी फिल्टर लोगों ने बनाया व्यक्तिगत स्तर पर बनावांए है। मेघ पाईन अभियान ने सिर्फ अपना सोच दिया है। महिसरहो पंचायत में 4 स्थायी फिल्टर लगा है। इसका उपयोग बरसात के समय में वर्षा जल संग्रहण के लिये भी किया जाता है।